समाचार

क्षमा याचना से मिलती है मन को शांति–महापौर

(पर्युषण पर्व के क्षमा याचना दिवस में शामिल हुई महापौर)

कोरबा 19 सितम्बर 2016 –श्रीमती रेणु अग्रवाल ने कहा कि क्षमा याचना मांगने पर मन को शांति मिलती है। जाने या अनजाने में हुई भूल एवं उस भूल से किसी को पहुंची पीड़ा के लिए क्षमा मांगना हमारा श्रेष्ठ मानवीय कर्तव्य है, क्षमा मांगना तथ क्षमा करना दोनों ही मनुष्य को श्रेष्ठता के शिखर पर पहुंचाता है।

उक्त बाते महापौर श्रीमती अग्रवाल ने पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस आयोजित क्षमा याचना पर्व के अवसर पर कही। बुधवारी के समीप स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार को पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस क्षमा वाणी पर्व का आयोजन किया गया। महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए आयोजन में शामिल हुई। उक्त आयोजन में काफी संख्या में समाज के लोगों ने जाने अनजाने में हुई गलतियों, भूलो एवं इन भूलों से किसी को भी पहुंची पीड़ा के लिए, अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी। इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा इनके माध्यम से महावीर स्वामी जी के प्रेरक विचारों से आमजन को रूबरू कराया गया। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती अग्रवाल ने समाज की बुजुर्ग महिला यशोदा नारद का का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। वही समाज के लोगों ने महापौर श्रीमती अग्रवाल व अन्य अतिथियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया। इस मौके पर मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। महापौर श्रीमती अग्रवाल ने मंदिर में स्वामी महावीर को पुष्प अर्पित किया तथा नगर के अमनचैन व आमजन की सुख–समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर समाज सेविका मंगल बुधिया, कुसुम द्विवेदी, सपना चौहान, सुधीर जैन सहित काफी संख्या में समाज के लोग एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।